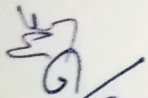


दिनांक  
नं

17.2.28

फा. वकील-पेरा हुई वकील वाहे काम  
 उपस्थित बार-बार भावाज लगाई  
 गई कोई उपस्थित नहीं इसमें यह  
 स्पष्ट होता है कि वकील वाहे व  
 स्वयं वाही अपने दावे के लेकर  
 गमभीर नहीं है। प्रकरण इसी  
 स्तर पर अदम्य हाजरी अदम्य पंजी  
 में खारिज किया जाता है फा. वकील  
 केवल शुमार होकर पंजीकरण



सप्लेण्ड अधिकारी  
 शाहाबाद